085/X/SA2/33/B1

विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका में मुख पृष्ठ पर कोड नं. अवश्य लिखें।

कक्षा - X

हिन्दी

(पाठ्यक्रम - ब)

निर्धारित समय : 3 घंटे] [अधिकतम अंक : 80

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 10 हैं।
- प्रश्न-पत्र में बाएँ हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 18 प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले उस प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है।

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं — **क, ख, ग** और **घ**।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों वाले विकल्प चुनकर लिखिए - **1x5=5**

हमें संसार के सभी जीव-जंतुओं से प्यार करना चाहिए और व्यवहार भी मधुर रखना चाहिए। समाज का हर व्यक्ति - अमीर-गरीब, शिक्षित-अशिक्षित, परिचित-अपरिचित हमारे उचित स्नेह और सम्मान का अधिकारी है। साधारणत: किशोर एवं किशोरियों के जीवन में उनके माता-पिता एवं गुरुजन और सहपाठियों का महत्त्वपूर्ण स्थान होता है। इनमें माता-पिता और गुरुजन प्रत्येक स्थिति में हमारी श्रद्धा और सत्कार के पात्र होते हैं। यही नहीं, ऐसा प्रत्येक व्यक्ति जो हमसे आयु में छोटा किंतु विद्या, बुद्धि, पद एवं सामर्थ्य में हमसे श्रेष्ठ हो, वह भी हमारे आदर का पात्र है। अपने से किसी गुण में श्रेष्ठ व्यक्ति से भेंट हो जाए तब उसके प्रति अभिवादन का भाव प्रकट करें। विनम्रतापूर्वक चरण - स्पर्श करते हुए उन्हें प्रणाम कर सकते हैं। इसके बाद बातचीत करते समय पूरी विनम्रता और शालीनता बरतें। क्रोध, क्षोभ, घृणा के भाव यदि मन में उठें, तो किसी भी रुप में प्रकट न होने दें। गुरुजनों के किसी कथन को चुनौती न दें। यदि किसी बात से आप असहमत हों, तो बड़ी विनम्रता के साथ अपनी असहमति प्रकट करें। संभव है वे स्वयं आपसे सहमत हो जाएँ।

(1) हमारे स्नेह और सम्मान का अधिकारी कौन है?

(क) अमीर और गरीब (ख) शिक्षित और अशिक्षित

(ग) परिचित और अपरिचित (घ) उपर्युक्त सभी

(2) आयु में छोटे ऐसे लोगों को भी आदर देना चाहिए, जो -

(क) आँखें नीची कर बात करते हैं।

(ख) माता-पिता और गुरुजनों को प्रिय होते हैं।

(ग) ज्ञान, बुद्धि, पद एवं सामर्थ्य में श्रेष्ठ होते हैं।

(घ) किसी बात पर असहमत नहीं होते।

(3) किसी भी गुणी व्यक्ति के प्रति सम्मान कैसे व्यक्त करें -

(क) उनके साथ तर्क-वितर्क करके

(ख) उनकी हाँ में हाँ मिलाकर

(ग) उनकी आँखों से आँखें मिलाकर

(घ) विनम्रता और शालीनता से

(4) 'विनम्रता' शब्द में उपसर्ग और प्रत्यय है -

(क) वि, नम्रता (ख) वि, ता

(ग) विन, म्रता (घ) विन, ता

(5) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक हो सकता है -

(क) व्यवहारकुशलता (ख) जीव-जंतुओं से प्यार

(ग) आदर का पात्र (घ) माता-पिता का सत्कार।

2. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों वाले विकल्प चुनकर लिखिए -** **1x5=5**

हँसी भीतरी आनंद का बाहरी चिह्न है। जीवन की सबसे प्यारी और उत्तम - से - उत्तम वस्तु एक बार हँस लेना तथा शरीर को अच्छा रखने की अच्छी से अच्छी दवा खिलखिला उठना है। हँसी कितने ही कला-कौशलों से भली है। जितना आनंद से हँसोगे, उतनी ही आयु बढ़ेगी। एक यूनानी विद्वान कहता है कि सदा अपने कर्मों को झीखनेवाला हेरीक्लेस बहुत कम जिया, पर प्रसन्नचित डेमाक्रीट्स 109 वर्ष तक जिया। कवि कहता है - 'जिंदगी ज़िंदादिली का नाम है, मुर्दा दिल क्या ख़ाक जिया करते हैं।' एक विलायती विद्वान ने लिखा है कि उत्तम सुअवसर की हँसी उदास व्यक्ति को प्रफुल्लित कर देती है और आनंद एक ऐसा प्रबल इंजन है कि उससे शोक और दुख की दीवारों को ढा सकते हैं। सुयोग्य वैद्य अपने रोगी के कानों में आनंद रुपी मंत्र सुनाता है। स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से हँसी पाचन शक्ति बढ़ाती है, रक्त को चलाती और पसीना लाती है। वह जीवन की एक मीठी मदिरा है। कारलाइल एक राजकुमार थे। उन्होंने जब संसार त्यागा, तो कहा कि अपने मित्र को हँसाओ, वह अधिक प्रसन्न होगा। शत्रु को हँसाओ, तुमसे कम घृणा करेगा। अनजान को हँसाओ, तुम पर भरोसा करेगा। उदास को हँसाओ, दुख घटेगा। एक निराश को हँसाओ, आशा बढ़ेगी। एक बूढ़े को हँसाओ, वह अपने आपको जवान समझेगा। एक बालक को हँसाओ, उसके स्वास्थ्य में वृद्धि होगी। पर हमारे जीवन का उद्देश्य केवल हँसी ही नहीं है, बल्कि हमको जो काम करने हैं, उन कामों में, कष्टों में, चिंताओं में एक सुंदर आंतरिक हँसी, बड़ी प्यारी वस्तु भगवान ने दी है।

(1) हँसी से क्या प्रकट होता है?

(क) शोक और दुख (ख) भीतरी आनंद

(ग) उत्तम सुअवसर (घ) इनमें से कोई नहीं।

(2) हेरीक्लेस और डेमाक्रीट्स के उदाहरण से स्पष्ट होता है कि प्रसन्न रहने वाला व्यक्ति

(क) चिंतित रहता है।

(ख) झीखता रहता है।

(ग) लंबी आयु प्राप्त करता है।

(घ) खिलखिलाता रहता है।

(3) एक उदास को हँसाने पर -

(क) वह स्वयं को जवान समझने लगेगा।

(ख) वह तुम पर भरोसा करेगा।

(ग) उसका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

(घ) उसका दुख घटेगा।

(4) भगवान के द्वारा दी गई प्यारी वस्तु है -

(क) जिंदादिली (ख) कृत्रिम हँसी

(ग) आंतरिक हँसी (घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(5) आंतरिक में मूलशब्द और प्रत्यय है -

(क) आंतर + इक (ख) अंतर + इक

(ग) अंतर + क (घ) आंत + रिक

3. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए -** **1x5=5**

संकटों से वीर घबराते नहीं,
आपदाएँ देख छिप जाते नहीं।
लग गए जिस काम में, पूरा किया,
काम करके व्यर्थ पछताते नहीं।

हो सरल अथवा कठिन हो रास्ता,
कर्मवीरों को न इससे वास्ता।
बढ़ चले तो अंत तक ही बढ़ चले,
कठिनतर गिरिश्रृंग ऊपर चढ़ चले।

कठिन पथ को देख मुसकाते सदा,
संकटों के बीच वे गाते सदा।
है असंभव कुछ नहीं उनके लिए ,
सरल-संभव कर दिखाते वे सदा।

यह असंभव कायरों का शब्द है,
कहा था, नेपोलियन ने एक दिन।
सच बताऊँ, जिंदगी ही व्यर्थ है,
दर्प बिन, उत्साह बिन, औ शक्ति बिन।

(1) कर्मवीरों को किस बात से कोई लेना-देना नहीं

(क) उनका काम पूरा हुआ है या नहीं। (ख) वे आगे बढ़े हैं अथवा नहीं।

(ग) काम अच्छा हुआ है या नहीं। (घ) काम सरल है या मुश्किल।

(2) गिरिश्रृंग का आशय है -

(क) कठिनतम स्थिति (ख) पर्वत की चोटी

(ग) गिरि के पत्थर (घ) आपदाएँ।

(3) किसके बिना जिंदगी बेकार है -

(क) संकटों से घबराए बिना।

(ख) संभव को असंभव किए बिना।

(ग) अभिमान, जोश तथा बल के बिना।

(घ) काम करके पछताने से।

(4) नेपोलियन ने क्या कहा था ?

(क) संभव विद्वानों का शब्द है। (ख) दर्प बिना ज़िंदगी सार्थक है।

(ग) असंभव डरपोकों का शब्द है। (घ) कायर ज़िंदगी ही व्यर्थ है।

(5) उपर्युक्त काव्यांश के लिए उचित शीर्षक होगा -

(क) संकटवीर (ख) महावीर

(ग) धर्मवीर (घ) कर्मवीर

4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों वालें विकल्प चुनकर लिखिए - **1x5=5**

जिस पर गिरकर उदर-दरी से तुमने जन्म लिया है।
जिसका खाकर अन्न, सुधा - सम नीर, समीर पिया है।
वह स्नेह की मूर्ति दयामयि माता-तुल्य मही है।
उसके प्रति कर्त्तव्य तुम्हारा क्या कुछ शेष नहीं है?
केवल अपने लिए सोचते, मौज भरे गाते हो।
पीते, खाते, सोते, जगते, हँसते, सुख पाते हो।
जग से दूर, स्वार्थ - साधन ही सतत तुम्हारा यश है।
सोचो, तुम्हीं कौन अग-जग में तुम-सा स्वार्थ विवश है?
पैदा कर जिस देश-जाति ने तुमको पाला-पोसा।
किए हुए हैं वह निज हित का तुमसे बड़ा भरोसा।
उससे होना उऋण प्रथम है सत्कर्तव्य तुम्हारा।
फिर दे सकते हो वसुधा को शेष स्वजीवन सारा।

(1) मातृभूमि से मनुष्य क्या-क्या प्राप्त करता है?

(क) अन्न, जल, फल (ख) अन्न, फल, फूल

(ग) अन्न, जल, वायु (घ) अन्न, जल, नीर।

(2) प्रस्तुत पंक्तियों में धरती की तुलना किससे की है?

(क) ईश्वर से (ख) दयालु माँ से

(ग) सशक्त पिता से (घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(3) उपर्युक्त काव्यांश में मानव की किस प्रवृत्ति की ओर इशारा किया गया है?

(क) देशवासियों के प्रति सेवाभाव (ख) विश्वबंधुत्व की भावना

(ग) नि:स्वार्थता और उदारता (घ) स्वार्थी और आत्मकेंद्रित होना

(4) कवि के अनुसार मनुष्य का प्रथम कर्तव्य क्या होना चाहिए?

(क) माता-पिता के ऋण से उऋण होना।

(ख) देश और जाति के ऋण से उऋण होना।

(ग) गुरुजनों के ऋण से उऋण होना।

(घ) भाई-बहनों के ऋण से उऋण होना।

(5) उपर्युक्त काव्यांश का मुख्य संदेश है -

(क) देश की सेवा (ख) नि:स्वार्थ भाव रखना

(ग) कर्त्तव्य पालन करना (घ) उपर्युक्त सभी।

खंड 'ख'

5. (क) यह पुस्तक किसकी है? रेखांकित का पद परिचय है – 1

(i) सार्वनामिक विशेषण, बहुवचन, स्त्रीलिंग

(ii) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग

(iii) निश्चयवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग

(iv) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में कौन-सा रेखांकित पद भाववाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, करण कारक है – 1

(i) हम अपने देश पर मर मिटेंगे।

(ii) भारत महान देश है।

(iii) परिश्रम के बिना सफलता नहीं मिलती।

(iv) गंगा पवित्र नदी है।

(ग) बाहर से आए यात्रियों में कुछ शाकाहारी हैं। रेखांकित में पदबंध का कौन - सा भेद है – 1

(i) संज्ञा पदबंध (ii) सर्वनाम पदबंध

(iii) विशेषण पदबंध (iv) क्रिया विशेषण पदबंध

(घ) 'गंगा-यमुना वाला देश भारत ही है।' इस वाक्य में संज्ञा पदबंध है – 1

(i) गंगा-यमुना वाला (ii) गंगा-यमुना वाला देश

(iii) देश भारत (iv) गंगा-यमुना।

6. (क) निम्नलिखित वाक्यों में सरल वाक्य है – 1

(i) हमने चिड़ियाघर जाकर शेर देखा। (ii) हम चिड़ियाघर गए, तो शेर देखा।

(iii) हम चिड़ियाघर गए, जहाँ शेर देखा। (iv) हम चिड़ियाघर गए और वहाँ शेर देखा।

(ख) 'गार्ड ने हरी झंडी दिखाई। ड्राइवर ने गाड़ी चला दी।' इन वाक्यों से बना मिश्र वाक्य है – 1

(i) ड्राइवर ने गार्ड के हरी झंडी दिखाते ही गाड़ी चला दी।

(ii) गार्ड ने हरी झंडी दिखाई और ड्राइवर ने गाड़ी चला दी।

(iii) जैसे ही गार्ड ने हरी झंडी दिखाई, ड्राइवर ने गाड़ी चला दी।

(iv) गार्ड ने हरी झंडी दिखाई, इसलिए ड्राइवर ने गाड़ी चला दी।

(ग) 'बच्चो ! मन लगाकर पढ़ो अन्यथा पछताते रह जाओगे।' रचना के आधार पर वाक्य का भेद है- 1

(i) सरल वाक्य (ii) संयुक्त वाक्य

(iii) मिश्र वाक्य (iv) विस्मयादिबोधक वाक्य।

(घ) कौन-सा वाक्य संयुक्त नहीं है, 1

(i) वह सबसे छोटा था किंतु उसने दौड़ जीत ली।

(ii) मजदूरों ने चाय पी और काम पर चले गए।

(iii) तारे छिप गए क्योंकि सूर्योदय हो गया था।

(iv) जब तुम नहीं आए, तो तुम्हारा भाई आया।

7. (क) 'गुण स्वर संधि' का उदाहरण है – 1

(i) पर्यावरण (ii) परमौषध (iii) महेश्वर (iv) पुस्तकालय

(ख) 'स्वाधीन' का संधि विच्छेद है – 1

(i) सु + अधीन (ii) स्व + अधीन

(iii) स्व + आधीन (iv) स्वा + धीन।

(ग) 'कर्मधारय समास' का उदाहरण है – 1

(i) सत्याग्रह (ii) राजपुरुष (iii) लोकप्रिय (iv) कमलनयन

(घ) 'रसोईघर' का समास विग्रह होगा – 1

(i) रसोई और घर (ii) रसोई का घर

(iii) रसोई के लिए घर (iv) रसोई में घर।

8. (क) 'आँखों में धूल झोंकना' मुहावरे का अर्थ है – 1

(i) आँखों में मिट्टी डाल देना (ii) आँखों में कष्ट होना

(iii) धोखा देना (iv) अनदेखा करना।

(ख) कई नवयुवक नौकरी के लिए .... रहते हैं। उपर्युक्त मुहावरे से रिक्त स्थान भरें। 1

(i) हवा में उड़ना (ii) धमाचौकड़ी मचाना

(iii) मुँह चुराना (iv) मारे-मारे फिरना।

(ग) आतंकवादियों को पनाह देने वाले देशद्रोही ही उन्हें देश के गुप्त भेद बताते हैं। सच ही कहा है – 1

(i) जिसकी लाठी उसकी भैंस (ii) घर का भेदी लंका ढाए

(iii) करे कोई भरे कोई (iv) कोयले की दलाली में मुँह काला

(घ) 'नाच न जाने आँगन टेढ़ा' का अर्थ है – 1

(i) दोष बताना (ii) अपनी कमी, दोष दूसरे का

(iii) नाचने से मना करना (iv) घबराहट में कुछ न सूझना

9. (क) निम्नलिखित वाक्यों में अशुद्ध वाक्य है – 1

(i) दाल में नमक कम है। (ii) आगरा के कारण ताजमहल प्रसिद्ध है।

(iii) पक्षी आकाश में उड़ते है। (iv) दिल्ली में अनेक दर्शनीय स्थल हैं।

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में शुद्ध वाक्य है – 1

(i) क्या आप कबीरदास को जानते हो ?

(ii) भारत के प्रसिद्ध सज्जन व्यक्ति कबीरदास थे।

(iii) कबीरदास भारत के एक प्रसिद्ध संत थे।

(iv) भारतीय भक्त कबीरदास एक जुलाहा थे।

(ग) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है- 1

(i) मैंने घर जाना है। (ii) मैंने आज खाना नहीं खाया।

(iii) हम आपको बुलाए थे। (iv) सिपाही चोर को पीटा।

(घ) अशुद्ध वाक्य छाँटकर लिखिए – 1

(i) आप पक्के ईश्वर के भक्त हैं। (ii) फूलों की एक माला लाइए।

(iii) बच्चा दौड़ता है। (iv) देश महात्मा गांधी का आभारी रहेगा।

खंड 'ग'

10. काव्यांशों को पढ़कर किसी एक काव्यांश पर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए। **1x5=5**

कहलाने एकत बसत अहि मयूर, मृग बाघ।
जगतु तपोवन सौ कियौ दीरघ-दाघ निदाघ।।

(1) उपर्युक्त दोहे के कवि कौन हैं?

(क) कबीर (ख) रहीम

(ग) बिहारी (घ) मलूकदास।

(2) 'दीरघ-दाघ' का अर्थ है -

(क) ग्रीष्म ऋतु (ख) प्रचंड गरमी

(ग) दीर्घ गरमी (घ) लंबी धूप।

(3) किनमें परस्पर शत्रुता है?

(क) साँप और बाघ। (ख) साँप और अहि।

(ग) साँप और मृग। (घ) साँप और मयूर।

(4) दोहा किस भाषा में रचित है?

(क) ब्रज भाषा (ख) खड़ी बोली

(ग) अवधी (घ) बुंदेली।

(5) जंगल में हिंसक जानवर और अहिंसक जानवरों के एक साथ रहने का कारण है -

(क) वैरभाव का त्याग

(ख) तपोवन का प्रभाव

(ग) भीषण गर्मी से जीवन रक्षा की चिंता

(घ) परस्पर समझौता होने का दिखावा

अथवा

मेरा भार लघु करके न दो सांत्वना नहीं सही।
केवल इतना रखना अनुनय-
वहन कर सकूँ इसको निर्भय।
नत शिर होकर सुख के दिन में
तव मुख पहचानूँ छिन-छिन में।

(1) उपर्युक्त काव्य-पंक्तियों के कवि का नाम है -

(क) वीरेंद्र डंगवाल (ख) मैथिलीशरण गुप्त

(ग) रवीन्द्रनाथ ठाकुर (घ) कैफ़ी आजमी

(2) कवि ईश्वर से क्या प्रार्थना कर रहा है?

(क) तसल्ली दे।

(ख) भारमुक्त कर दे।

(ग) उत्तरदायित्वों को निभाने की शक्ति दे।

(घ) उत्तरदायित्वों से मुक्त कर दे।

(3) सुख के दिनों में कवि क्या चाहता है -
(क) ईश्वर से उसका भरोसा उठ जाए।
(ख) विनम्र होकर ईश्वर को हर पल आसपास अनुभव करे।
(ग) ईश्वर के मुख को देखता रहे।
(घ) ईश्वर को भूलकर मौज-मस्ती से रहे।

(4) 'नत शिर' का अर्थ है -
(क) सिर उठाकर (ख) सिर हिलाकर
(ग) सिर घुमाकर (घ) सिर झुकाकर

(5) कविता की पंक्तियों का मुख्य संदेश है-
(क) सुख-दुख दोनों ही स्थितियों में ईश्वर पर भरोसा रहे।
(ख) दुख में ईश्वर को याद करें, सुख में भूल जाएँ।
(ग) कायर बनकर ईश्वर से शक्ति माँगे।
(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं।

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए - **2x2.5=5**
(क) येल्दीरीन ने ख्यूक्रिन को दोषी ठहराते हुए क्या कहा?
(ख) सुलेमान कैसा बादशाह था?
(ग) 'सत्य केवल वर्तमान है, उसी में जीना चाहिए।' लेखक ने ऐसा क्यों कहा होगा?
(घ) सआदत अली कौन था? उसने वज़ीर अली की पैदाइश को अपनी मौत क्यों समझा?

12. 'गिन्नी का सोना' पाठ के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए कि जीवन में 'आदर्शवादिता' और 'व्यावहारिकता' में से किसका महत्त्व है? अपने अनुभव के आधार पर विचार प्रकट करें। **5**

अथवा

कहानी का शीर्षक 'गिरगिट' क्यों रखा होगा? समाज में ऐसे लोग आप कहाँ कहाँ - देखते है?

13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-

कर्नल - जंगल की ज़िंदगी बड़ी खतरनाक होती है।
लेफ़्टिनेंट - हफ्तों हो गए यहाँ खेमा डाले हुए। सिपाही भी तंग आ गए हैं। ये वज़ीर अली आदमी है या भूत, हाथ ही नहीं लगता।
कर्नल - उसके अफ़साने सुनकर रॉबिनहुड के कारनामे याद आ जाते हैं। अंग्रेजों के खिलाफ उसके दिल में किस तरह नफ़रत है। कोई पाँच महीने हुकूमत की होगी। मगर इस पाँच महीने में वो अवध के दरबार को अंग्रेजी असर से बिस्कुल पाक कर देने में तकरीबन कामयाब हो गया था।

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए। **1**
(ख) रॉबिनहुड कौन था? वज़ीर अली की तुलना कर्नल ने उससे क्यों की? **2**
(ग) कर्नल को जंगल की ज़िंदगी खतरनाक क्यों लगती है? **2**

अथवा

बाइबिल और दूसरे पावन ग्रंथों में नूह नाम के एक पैगंबर का जिक्र मिलता है। उनका असली नाम लश्कर था, लेकिन अरब ने उनको नूह के लकब से याद किया है। वह इसलिए कि आप सारी उम्र रोते रहे। इसका कारण एक जख़्मी कुत्ता था। नूह ने उस घायल कुत्ते के सामने से गुजरने पर दुत्कारते हुए कहा, 'दूर हो जा गंदे कुत्ते।' कुत्ते ने उनकी दुत्कार सुनकर जवाब दिया... 'न मैं अपनी मर्जी से कुत्ता हूँ, न तुम अपनी पसंद से इन्सान हो। बनाने वाला सबका तो वही है।'

(क) पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए। **1**
(ख) नूह कौन थे? वे सारी उम्र क्यों रोते रहे? **2**
(ग) व्यक्ति की पहचान कैसे होती है? इस संदर्भ में लेखक क्या कहना चाहता है? **2**

14. (क) 'मनुष्यता' कविता के संदेश को अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए। 2

(ख) महादेवी वर्मा अपने दीपक को हर बार अलग-अलग तरह से जलने को क्यों कहती हैं? 2

(ग) 'सर हिमालय का हमने झुकने दिया' इस पंक्ति में हिमालय किसका प्रतीक है? 1

15. स्काउट परेड करते समय लेखक अपने को 'महत्त्वपूर्ण आदमी' फौजी जवान क्यों समझने लगता था? 2

16. दो बार फेल होने पर टोपी को क्या महसूस हुआ? यदि आपकी कक्षा में टोपी जैसा कोई सहपाठी हो तो आप क्या करेंगे? 3

अथवा

नई श्रेणी में जाने और नई कॉपियों और पुरानी किताबों से आती विशेष गंध से लेखक का बालमन क्यों उदास हो उठता था?

खंड 'घ'

17. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए - 5

(क) ट्वेंटी-ट्वेंटी क्रिकेट

- क्रिकेट का रोमांच
- इस क्रिकेट मैच की खूबी
- भारत की उपलब्धि।

(ख) विज्ञापन की न्यारी दुनिया

- विज्ञापनों का जीवन पर प्रभाव
- विज्ञापनों के लाभ-हानि
- विज्ञापनों के दुष्प्रभावों से कैसे बचें?

(ग) सच्चा मित्र

- सच्चा मित्र कौन
- मित्रता की कसौटी, उदाहरण
- सच्चा मित्र औषधि के समान।

18. **पत्र-लेखन :** 5

बढ़ती हुई महंगाई पर चिंता व्यक्त करते हुए किसी प्रतिष्ठित समाचार पत्र के संपादक को एक पत्र लिखिए।

अथवा

आपके घर में चोरी हो गई है। धानाध्यक्ष उसकी रिपोर्ट दर्ज नहीं कर रहे हैं। इसकी शिकायत करते हुए पुलिस आयुक्त को एक पत्र लिखिए।

- o O o -